>

Title: Need for more number of National Highways in Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): सभापति महोदय, आपने मुझे लोक महत्व के विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। उत्तर प्रदेश की आबादी पूरे देश में सबसे ज्यादा है। उस अनुपात में राष्ट्रीय राजमार्गों का जो निर्माण होना चाहिए, वह नहीं हुआ है। उसके कारण उत्तर प्रदेश के विकास में एक बाधा उत्पन्न होती है। मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उत्तर प्रदेश के साथ भेदभाव हो रहा है। जो राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, उन पर पैसा भी उपलब्ध नहीं होता। मेरे यहां दो नैशनल हाईवे हैं। वह हाइवे छः लेन बनने जा रहा है, पहले फोरलेन बनी, अब सिक्सलेन बनना प्रस्तावित है। लेकिन भारत सरकार उसके लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त की जा रही है और कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा है। हमारा दूसरा राष्ट्रीय राजमार्ग है सैय्यद राजा से जमनिया, चार साल से लगातार वह सड़क चलने लायक नहीं है, उस पर कोई पैदल भी नहीं चल सकता है, जो गाज़ीपुर से होते हुए गोरखपुर तक जाती है, उसके निर्माण में शिथिलता है और गुणवत्ता एवं मानको का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी प्रकार पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की भारी कमी है। अगर उत्तर प्रदेश की जनसंख्या देखी जाए, तो पूरे विश्व में छठें सबसे बड़े देश के बराबर उसकी जनसंख्या है, उस अनुपात में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण कराने में भारत सरकार को जो सहयोग करना चाहिए, उसमें आना-कानी होती है। हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को कई बार पत्र लिखा कि राष्ट्रीय राजमार्गों में हमारी विभिन्न सड़कों को सम्मिलित किया जाए।...(व्यवधान) जो भेदभाव हो रहा है, उसे बंद किया जाए। हमारा जनपद चंदौली एक नक्सल प्रभावित जिला है। आप जानते हैं कि नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please conclude.

श्री रामकिशुन : नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों की आवश्यकता है। चकिया से मुगलसराय होते हुए नौगढ़ की रोड है, उसको राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाए। एक जीटी रोड, एन.एच.-2 है, कछवां चौराहे से बड़ागांव, बाबतपुर होते हुए, मोहावं और चौबेपुर होते हुए जमनिया और दुर्गावती को जोड़ती है। उसको राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाए।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उत्तर प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार न किया जाए, राजमार्गों के निर्माण में गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए।